इस मास में विशेषः साधना दीक्षा

माता करवा सद्गृहस्थ सुख सौभाग्य वृद्धि साधना

20 अक्टूबर - करवा चतुर्थी

जीवन में पूर्ण सौभाग्य कोई भी व्यक्ति गृहस्थ के माध्यम से ही प्राप्त कर सकता है। अतः अपने जीवन में पूर्ण माधुर्य, प्रेम, आनन्द, हर्षोल्लास, मान-सम्मान, समृद्धि, सुहाग सौभाग्य, पारिवारिक सुख, अनुकूल जीवन साथी, आरोग्यता प्राप्त करने हेतु करवा चतुर्थी सुश्रेष्ठ पर्व है। अतः इस दिवस का महत्त्व तो प्रत्येक स्त्री के लिये है, चाहे वह विवाह योग्य कन्या हो या विवाहित स्त्री हो, अविवाहित युवक हो या विवाहित युवक हो, प्रत्येक के लिये यह सौभाग्यप्रद साधना सिद्धि दिवस है।

सुसंस्कार चेतनामय कुल-वंश वृद्धि अहोई साधना

24 अक्टूबर - अहोई अष्टमी

संतान की रचना करना एक अलग कार्य है और संतान के भाग्य की रचना करना एक अलग कार्य है। संतान को योग्य बनाने के लिये माता-पिता यह साधना सम्पन्न कर सकते हैं, जिसके द्वारा संतान सुसंस्कृत, भाग्यशाली, उन्नति के पथ पर अग्रसर होने वाली बन सकती है, उसका झुकाव श्रेष्ठ कार्यों की ओर, ज्ञान वृद्धि की ओर, जीवन में सफलता प्राप्त करने की ओर अग्रसर हो सकता है। साथ ही माता-पिता की और कुल-वंश की प्रतिष्ठा में भी वृद्धि हो सकेगी।

अटूट श्री सम्पन्नता कुबेर यंत्र साधना

29 अक्टूबर - धनतेरस

कुबेर तो देवताओं के कोषाध्यक्ष है, अतुलनीय धन, सम्पदा, ऐश्वर्य के अधिपति है और इस दिन इनकी साधना सम्पन्न होती है, तो निश्चित ही कुबेर की कृपा दृष्टि प्राप्त होती है, क्योंकि कुबेर तो पल में प्रसन्न होने वाले देवता है। प्रत्येक चाहे वह साधारण मानव हो या देवता लक्ष्मीवान, ऐश्वर्यवान बनना सभी के हृदय की आकांक्षा होती है, अतः शीघ्रातिशीघ्र श्री सम्पन्न बनने का प्रयास करते हैं। इस हेतु प्रत्येक व्यक्ति के लिये यह अनिवार्य और अचूक साधना है।

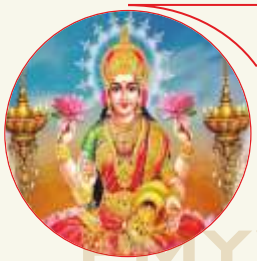

व्यापार कार्य वृद्धि लाभ पंचमी साधना

06 नवम्बर - लाभ पंचमी

इस साधना से सभी प्रकार की पूर्ण अनुकूलता व सुख-शांति प्राप्त होती है और मानसिक तनाव समाप्त हो जाता है। साथ ही व्यक्ति के सभी रोग दूर हो जाते हैं, धन, कीर्ति और आयु की वृद्धि होती है तथा उसके महापाप भी पूर्ण रूप से नष्ट हो जाते हैं, उसकी सारी आशाओं की पूर्ति होती है, चाहे उस पर कितना ही भीषण तांत्रिक प्रयोग किया हुआ हो, तो वह इस साधना से निश्चित ही समाप्त हो जाता है। यही नहीं, उसके सारे मनोरथ और सारे उद्देश्य सिद्ध हो जाते हैं।

साधना एक **साधक** के जीवन का **अभिन्न अंग** है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव **सद्गुरूदेव** के **हृदय** में एक **विशिष्ट स्थान** प्राप्त करते हैं। ये **विशिष्ट साधनायें** सम्पन्न करने के लिए **कैलाश सिद्धाश्रम** में सम्पर्क करें।